



भारत का राजपत्र The Gazette of India

1.5.86

असाधारण
EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (i)
PART II—Section 3—Sub-section (i)

प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 93]
No. 93]

नई दिल्ली, सोमवार, फरवरी 24, 1986/फाल्गुन 5, 1907
NEW DELHI, MONDAY, FEBRUARY 24, 1986/PHALGUNA 5, 1907

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में
रखा जा सके

Separate Paging is given to this Part in order that it may be filed as
separate compilation

बाहरी विकास मंत्रालय

नई दिल्ली, 21 फरवरी, 1986

मा. का. नि. 312(अ)—केन्द्रीय सरकार दिल्ली विकास अधि-
नियम, 1957 (1957 का स. 61) की धारा 31ग की उपधारा (3)
के साथ पठित धारा 56 का उपधारा (2) के खड (अख) द्वारा
प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए निम्नलिखित नियम बनाती है अर्थात् —
संक्षिप्त नाम : 1(1) इन नियमों का संक्षिप्त नाम दिल्ली विकास प्राधिकरण
(अपील का प्रारूप) नियम, 1986 है।

(2) ये राजपत्र में प्रकाशन की तारीख को प्रवृत्त होंगे।

परिभाषा 2 इन नियमों में जहाँ तक कि संदर्भ से अन्यथा अपेक्षित
न हो

(1) "अधिनियम" से दिल्ली विकास अधिनियम, 1957
अभिप्रेत है।

(2) "प्राधिकरण" से अधिनियम की धारा 3 के अधीन
गठित दिल्ली विकास प्राधिकरण अभिप्रेत है।

(3) "अपील अधिकरण" से दिल्ली नगर निगम अधिनियम,
1957 की धारा 347 क के अधीन गठित अपील
अधिकरण अभिप्रेत है।

(4) "स्थानीय प्राधिकरण" से दिल्ली नगर निगम अधि-
नियम, 1957 (1957 का 66) की धारा 3 के
अधीन गठित दिल्ली नगर निगम या पंजाब म्युनिसिपल
अधिनियम, 1911 के अधीन गठित नई दिल्ली
पालिका समिति या छावनी अधिनियम, 1924 की
धारा 13 के अधीन गठित दिल्ली छावनी बोर्ड
अभिप्रेत है।

3 अपील अधिकरण को अपील इन नियमों से उपाबद्ध
प्रारूप "अ" में की जाएगी।

4. अपील के साथ निम्नलिखित संलग्न होंगे।

(i) उस आदेश का अभिलेखित प्रति जिसके विरुद्ध
अपील की गई है।

(ii) अपील को विषय वस्तु के मूल्य का विवरण

(iii) दस्तावेज उनको एक सूची सहित जिनका अपीलार्थी
अपील अधिकरण के ममक्ष मुनवाई के दौरान अवलंब
लेना चाहता है।

5. अपीलार्थी फीस के मद्दे 100 रुपए की रकम अधिकरण
के कार्यालय में जमा करेगा और उस रसीद की
एक प्रति अपील के साथ संलग्न करेगा।

[फाइल सं. के 11011/2/84-डी डी आई आई बी]

परूप "प्र"

(नियम 3 देखिए)

श्री

दिल्ली विकास प्राधिकरण के अपील प्राधिकरण के समक्ष

श्री

पुत्र श्री

को

का निवासी है

बंगल

अपीलार्थी

दिल्ली विकास प्राधिकरण संबंधित स्थानीय अधिकरण

प्रतिवादी

दिल्ली विकास अधिनियम 1957 का धारा 31 ग की उपधारा

(1) के खंड

के अपीलार्थी

(अधिकारी का पदाभिधान)

द्वारा पारित तारीख

के आदेश के विरुद्ध अपील

प्रत्येक

अपीलार्थी निवेदन करना है कि --

1 यह कि तारीख

के श्री

न द्वारा

के अधीन एक आदेश पारित किया है।

2 यह कि अपीलार्थी निम्नलिखित आधारों पर उक्त आदेश से व्यथित हैं--

1)

(II)

आदि

3 यह कि अपीलार्थी निम्नलिखित रीति से अनुनाय का दावा करता है--

4 यह कि रमोद स

तारीख

द्वारा 100 रुपय की फीस जमा की गई

तारीख

स्थान

अपीलार्थी के हस्ताक्षर

MINISTRY OF URBAN DEVELOPMENT

New Delhi, the 21st February, 1986

G.S.R. 312(E).—In exercise of the powers conferred by clause (jb) of sub section (2) of section 56 read with sub-section (3) of section 31-C of the Delhi Development Act, 1957 (No. 61 of 1957), the Central Government makes the following rules, namely:—

1. Short title—(1) These rules may be called the Delhi Development Authority (Form of Appeal) Rules, 1986.

(2) They shall come into force from the date of their publication in the Official Gazette,

2. Definitions—In these rules unless the context otherwise requires:—

(1) "Act" means the Delhi Development Act, 1957

(2) "Authority" means the Delhi Development Authority constituted under section 3 of the Act;

(3) "Appellate Tribunal" means Appellate Tribunal constituted under section 347 A of the Delhi Municipal Corporation Act, 1957 and deemed as such under section 31-B of the Act;

(4) "Local authority" means the Municipal Corporation of Delhi constituted under Section 3 of the Delhi Municipal Corporation Act, 1957 (66 of 1957) or the New Delhi Municipal Committee constituted under the Punjab Municipal Act, 1911 or Delhi Cantonment Board constituted under section 13 of the Cantonment Act, 1924.

3. An appeal to the Appellate Tribunal shall be made in Form 'A' annexed to these rules

4 The appeal shall be accompanied by :

(i) a certified copy of the order appealed against.

(ii) statement of the value of the subject matter of the appeal.

(iii) documents alongwith a list thereof, on which the appellant wishes to place reliance during the course of the hearing before the Appellate Tribunal.

5. The appellant shall deposit a sum of Rs. 100/- on account of fees in the office of the Tribunal and attach a copy of the receipt alongwith the appeal.

[F. No K-11011/2/84-DDIIB(Vol.II)]

FORM "A"

(See rule 3)

BEFORE SHRI _____ --APPELLATE
TRIBUNAL DELHI DEVELOPMENT AUTHORITY

Shri _____ S/o. Sh.
resident of _____

..... Appellant

VERSUS

Delhi Development Authority local authority concerned

..... Respondent.

Appeal against order dated _____
passed by Shri _____

(Designation of the Officer) under clause
_____ of sub-section (1) of

31-C of the Delhi Development Act, 1957

Sir,

The appellant submits as under :—

1. That on—(date), Shri—
has passed an order under section—2. That the appellant is aggrieved by the said order
on the following grounds :—

(i)

(ii)

etc

3. That the appellant claims relief in the following
manner.....4. That the fee of Rs. 100/-deposited vide receipt
No.

Dated.....

Place.....

(Signature of the applicant)

मा का नि 313(अ) —केन्द्रीय सरकार द्वारा दिल्ली विकास अधि-
नियम 1957 (1957 का स 61) की धारा 56 की उपधारा (2) क
खट (जक) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए निम्नलिखित नियम
बनाती है अर्थात् —

1 संक्षिप्त नाम (1) इन नियमों का संक्षिप्त नाम दिल्ली विकास
प्राधिकरण (विकास का सीलबंद) नियम 1986 है।

(2) ये राजपत्र में प्रकाशन की तारीख को प्रवृत्त होंगे।

2 परिभाषाएँ —इन नियमों में जब तक कि संदर्भ से अन्यथा स्पष्टि-
त न हो —

(1) "अधिनियम" से दिल्ली विकास अधिनियम 1957 अभिप्रेत
है।

(11) "प्राधिकरण" से अधिनियम की धारा 3 के अधीन गठित
दिल्ली विकास प्राधिकरण अभिप्रेत है।

(111) "सक्षम प्राधिकारी" से अधिनियम की धारा 31घ के
'स्पष्टीकरण' में यथा परिभाषित सक्षम प्राधिकारी अभिप्रेत
है।

3 सीलबंद का आदेश और उसकी तामीन

विकास कार्य को सील बंद करने का आदेश निम्नलिखित रूप में
दिया जाएगा और उसकी तामीन स्वामी या ऐसे व्यक्ति पर जिसकी प्रेरणा
अनुमति प्राप्त किया गया है या किया जा रहा है या पूरा किया
गया है धारा 41 के अधीन उपस्थित रीति में की जाएगी।

विकास कार्य के सिलबंद करने की रीति -

1. धारा 31 क की उपधारा (1) के अधीन
निम्नलिखित रीति से किया जाएगा, अर्थात् —

के अन्य सभी बाहर जाने के मार्ग और अन्दर
की ओर उचित रूप से बंद करने, ताला लगाने या
द्वार पर प्रामाणिक मुद्रा लगाकर

निर्दिष्ट विकास कार्य में नहीं लगाई
गया कार्य इस प्रकार का है कि उसे
नहीं चेरा जा सकता है वहां ऐसा
लकड़ी के तक्तों लोहा या

सील की चदरो से बंधा जाएगा और प्राधिकारिक मुद्रा
इस रीति से लगाई जाएगी कि और व्यक्ति प्राधिकारिक मुद्रा
का बिगाड़े बिना विकास कार्य के अन्दर या उपर प्रवेश
नहीं कर सकता, या

(3) जहां किसी विकास कार्य में ताला लगा दिया जाता है वहां
ताला तोड़कर खोला जा सकेगा या किसी अन्य दरवाजे
द्वार या किसी अन्य रोड को खुलवाया जा सकेगा और
पूर्वोक्त रीति में विकास कार्य को सीलबंद करने से पूर्व
दो माध्यमों की उपस्थिति में परिसर में पाए गए मामान की
एक नालिका बना ली जाएगी।

4 इन नियमों के अधीन सूर्यास्त से पहले और सूर्यास्त के पश्चात्
काई सीलबंद नहीं की जाएगी।

6 प्राधिकरण या सक्षम प्राधिकारी की मुद्रा यथास्थिति प्राधिकरण
या सक्षम प्राधिकारी द्वारा इस निम्नलिखित नियुक्त अधिकारी की
पर्यवेक्षण में रखी जाएगी।

[फाइल नं. के 11011/2/84-डी. डी. आर्. आई. बी.]

आर. एल. प्रदीप, सचिव

G.S.R. 313(E).—In exercise of the powers con-
ferred by clause (ja) of sub-section (2) of section
56 of the Delhi Development Act 1957 (No. 61 of
1957), the Central Government hereby makes the
following rules, namely :—

1. Short title :—(1) These rules may be called the
Delhi Development Authority (Sealing of Develop-
ment) Rules, 1986.

(2) They shall come into force on the date of
their publication in the Official Gazette.

2. Definitions.—In these rules, unless the context
otherwise requires :—

(i) "Act" means the Delhi Development Act,
1957;

(ii) "Authority" means the Delhi Development
Authority constituted under section 3 of
the Act;

(iii) "The competent authority" means the com-
petent authority as defined in the "Explan-
ation" to section 31-D of the Act.

3. Order of sealing and its service.—The order of
sealing a development shall be made in writing and
shall be served upon the owner or the person at
whose instance the development has been commenced
or is being carried out or has been completed in the
manner provided under section 43 of the Act

4. Manner of sealing unauthorised development:—
The sealing under sub-section (i) of section 31 A of
the Act shall be made in the following manner,
namely :—

(i) affixing the office seal on outer door or open-
ing of the development after all other out-
lets and inlets to the development have
been properly bolted, locked, or encircled
with rope, wire or wire-mesh;

- (ii) where doors and windows have not been fixed to the development or where the development is of such a nature that it cannot be encircled with rope, wire or wire-mesh in that case such development shall be covered by wooden planks, iron or cement sheets and office seal affixed in a manner that no person can enter into or upon the development without tampering the office seal; or
- (iii) where any development is found locked, the lock may be broken open or any door, gate or any other barrier caused to be opened and an inventory of the articles found in

the premises shall be taken in the presence of two witnesses, before sealing the development in the manner aforesaid.

5. No sealing under these rules shall be made before sun rise and after sun set

6. The seal of the Authority or the Competent Authority shall be kept in the safe custody of the officer appointed in this behalf by the Authority or the Competent Authority as the case may be.

[F. No. K-11011/2'84-DDIIB(Vol.II)]

R L. PARDEEP, Jt. Secy.